http://www.sgbauonline.com/

M.A. (Part—II) History (Semester—III) Examination
HISTORY
Paper—III
(A) Women in Indian History

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note :— (1) **ALL** questions are compulsory.
(2) Answer of long answer type questions and short answer type questions are expected in about **1000** and **250** words respectively.

1. Answer any ***one*** group of the following :
   (a) Explain the concept of Liberal Feminism Approach. 4
   (b) Write the salient features of Socialist approach. 4
   (c) State the importance of Government Official Report as the sources of the History of Women. 4
   (d) Describe the importance of Vedas as sources of the history of women under ancient India. 4

OR

   (e) Explain the Marxist approach towards women. 4
   (f) Write the salient features of Post Modern Feminism. 4
   (g) Describe the autobiographies as a source of History. 4
   (h) Explain the importance of paintings towards the study of the history of women. 4

2. Answer any ***one*** group of the following :
   (a) Explain the religious status of women in the epic period. 4
   (b) State the condition of women as depicted in the Brahmanical literature. 4
   (c) Determine the place of women in the philosophy of Jainism. 4
   (d) Write the contribution of Buddhism towards the religious empowerment of women. 4

OR

   (e) Explain the religious status of women as depicted in Bible. 4
   (f) Explain the contribution of women in the formation of Vedas. 4
   (g) Determine the place of women in the concept of 'Moksha'. 4
   (h) Narrate the customary status of women in the matriarchy society during ancient period. 4

3. Examine the education policy in British India. What were its effects on Indian society ? 16

OR

   Describe the legal remedies towards the upliftment of women under the British rule. 16

4. Examine the contribution of women in Independence Movement of India. 16

OR

   Describe the problems of women workers in the informal sectors. 16

5. Answer any ***one*** group of the following :
   (a) Explain the effects of Bhakti Movement on women's life. 4
   (b) Narrate the work of Brahmo Samaj towards the upliftment of women. 4
   (c) Explain the effects of social reforms on women life style. 4
   (d) Describe the work of 'Sharda Sadan' in colonial India. 4

OR

   (e) State the participation of women in Virsaivism. 4
   (f) Determine the place of women in the theosophical movement. 4
   (g) Write the work of self respect movement. 4
   (h) Describe the contribution of Ramabai Ranade as an organiser. 4

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

M.A. (Part—II) History (Semester—III) Examination
HISTORY
Paper—III
(A) Women in Indian History

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.

(2) दीर्घोत्तरी आणि लघूत्तरी प्रश्नांची उत्तरे अनुक्रमे **1000** आणि **250** शब्दापर्यंत अपेक्षित आहेत.

1. खालीलपैकी कोणत्याही **एका** गटातील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :
   (अ) उदारमतवादी स्त्रीवादाचा दृष्टिकोन स्पष्ट करा. 4
   (ब) समाजवादी दृष्टिकोनाचे वैशिष्ट्ये लिहा 4
   (क) स्त्रीयांच्या इतिहासाचे साधन म्हणून सरकारी कार्यालयीन अहवालांचे महत्व सांगा. 4
   (ड) प्राचीन भारतातील स्त्रीयांच्या इतिहासाचे साधन म्हणून वेदांचे महत्व वर्णन करा. 4

   किंवा

   (इ) स्त्रीयांप्रती मार्क्सवादी दृष्टिकोन स्पष्ट करा. 4
   (फ) उत्तर आधुनिक स्त्रीवादाची वैशिष्ट्ये लिहा. 4
   (ग) इतिहासाचे साधन म्हणून आत्मचरित्रांचे वर्णन करा. 4
   (ह) स्त्रीयांच्या इतिहासाच्या अभ्यासाप्रती चित्रकृतींचे महत्व स्पष्ट करा. 4

2. खालीलपैकी कोणत्याही **एका** गटातील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :
   (अ) महाकाव्य काळातील स्त्रीयांचा धार्मिक दर्जा स्पष्ट करा. 4
   (ब) ब्राह्मण ग्रंथ साहित्यातील वर्णित स्त्रीयांची स्थीती सांगा 4
   (क) जैनधर्माच्या तत्वज्ञानात स्त्रीयांचे स्थान निश्चित करा 4
   (ड) स्त्रीयांच्या धार्मिक सशक्तिकरणाप्रती बौद्ध धर्माचे योगदान लिहा. 4

   किंवा

   (इ) बायबल मधे वर्णित स्त्रीयांचा धार्मिक दर्जा स्पष्ट करा 4
   (फ) वेदांच्या रचनेत स्त्रीयांचे योगदान स्पष्ट करा. 4
   (ग) 'मोक्ष' संकल्पनेत स्त्रीयांचे स्थान निश्चित करा. 4
   (ह) प्राचीन भारतातील मातृसत्ताक समाजातील स्त्रीयांचा रूढीगत (customary) दर्जा विशद करा. 4

3. ब्रिटीश कालीन भारतातील शैक्षणिक धोरणाचे परीक्षण करा आणि त्याचे भारतीय समाजावर कोणते परीणाम आले ? 16

   किंवा

   ब्रिटीश अंमलातील स्त्रीयांच्या उत्थानाप्रती केलेल्या कायदे विषयक तरतूदींचे वर्णन करा. 16

4. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीत स्त्रीयांच्या योगदानाचे परीक्षण करा. 16

   किंवा

   असंघटीत क्षेत्रातील स्त्रीकामगारांच्या समस्यांचे वर्णन करा. 16

5. खालीलपैकी कोणत्याही **एका** गटातील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :
   (अ) स्त्रीजीवनावर भक्ती चळवळीचे परीणाम स्पष्ट करा. 4
   (ब) स्त्रीयांच्या उत्थानप्रती आर्य समाजाचे कार्य विशद करा 4
   (क) स्त्रीयांच्याजीवन शैलीवर सामाजिक सुधारणाचे झालेले परीणाम स्पष्ट करा. 4
   (ड) वसाहत काळातील 'शारदा सदन' च्या कार्याचे वर्णन करा. 4

   किंवा

   (इ) विरशैव संप्रदायातील स्त्रीयांचा सहभाग सांगा. 4
   (फ) थिऑसाफीकल चळवळीत स्त्रीयांचे स्थान निश्चित करा. 4
   (ग) आत्मसम्मान चळवळीचे कार्य लिहा. 4
   (ह) संघटक म्हणून रमाबाई रानडे यांच्या योगदानाचे वर्णन करा. 4

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

M.A. (Part—II) History (Semester—III) Examination
HISTORY
Paper—III
(A) Women in Indian History

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) दीर्घोत्तरी तथा लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर क्रमशः **1000** तथा **250** शब्दों तक अपेक्षित हैं।

1. निम्नलिखित किसी **एक** गुट के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :
   (अ) स्त्रीवाद का उदारमतवादी दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिये। 4
   (ब) समाजवादी दृष्टिकोण की विशेषताओं को लिखिये। 4
   (क) स्त्रियों के इतिहास के साधन के रूप में शासकीय कार्यालयीन अहवालों का महत्व बताइये। 4
   (ड) प्राचीन भारतीय स्त्रियों के इतिहास के साधन के रूप में वेदों का महत्व वर्णन कीजिये। 4

   अथवा

   (इ) स्त्रियों के संदर्भ में मार्क्सवादी दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिये। 4
   (फ) उत्तर आधुनिक स्त्रीवाद की विशेषताओं को लिखिये। 4
   (ग) इतिहास के साधन के रूप में आत्मचरित्रों का वर्णन कीजिये। 4
   (ह) स्त्रियों के इतिहास के अध्ययन के प्रति चित्रकृतियों का महत्व स्पष्ट कीजिये। 4

2. निम्नलिखित किसी **एक** गुट के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :
   (अ) महाकाव्यकालीन स्त्रियों का धार्मिक दर्जा स्पष्ट कीजिये। 4
   (ब) ब्राह्मण ग्रंथ साहित्य में वर्णित स्त्रियों की स्थिति को बताइये। 4
   (क) जैन धर्म के तत्वज्ञान मे स्त्रियों का स्थान निश्चित कीजिये। 4
   (ड) स्त्रियों के धार्मिक सबलीकरण के प्रति बौद्ध धर्म का योगदान लिखिये। 4

   अथवा

   (इ) बायबल में वर्णित स्त्रियों का धार्मिक दर्जा स्पष्ट कीजिये। 4
   (फ) वेदों की रचना में स्त्रियों का योगदान स्पष्ट कीजिये। 4
   (ग) 'मोक्ष' संकल्पना में स्त्रियों का स्थान निश्चित कीजिये। 4
   (ह) प्राचीन भारत में मातृसत्ताक समाज में स्त्रियों का रूढ़ीगत (customary) दर्जा विशद कीजिये। 4

3. ब्रिटिश कालीन भारत में शिक्षा नीति का परीक्षण कीजिये और इसके भारतीय समाज पर कौनसे परिणाम हुये ? 16

   अथवा

   ब्रिटिश अंमल में स्त्रियों के उत्थान के प्रति किये हुये कानूनी प्रावधानों का वर्णन कीजिये। 16

4. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में स्त्रियों के योगदान का परीक्षण कीजिये। 16

   अथवा

   असंघटित क्षेत्र में स्त्री कामगारों की समस्याओं का वर्णन कीजिये। 16

5. निम्नलिखित किसी **एक** गुट के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :
   (अ) भक्ति आंदोलन के स्त्री जीवन पर हुये परिणामों को स्पष्ट कीजिये। 4
   (ब) स्त्रियों के उत्थान के प्रति ब्राह्मे समाज का कार्य विशद कीजिये। 4
   (क) स्त्री जीवन शैली पर सामाजिक सुधारों के हुये परिणाम स्पष्ट कीजिये। 4
   (ड) उपनिवेशकाल में 'शारदा सदन' के कार्यों का वर्णन कीजिये। 4

   अथवा

   (इ) विरशैव संप्रदाय में स्त्रियों का सहभाग बताइये। 4
   (फ) थिऑसाफिकल आंदोलन में स्त्रियों का स्थान निश्चित कीजिये। 4
   (ग) आत्मसम्मान आंदोलन का कार्य लिखिये। 4
   (ह) संघटक के रूप में रमाबाई रानडे के योगदान का वर्णन कीजिये। 4

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/